24 न्यूज अपडेट

ई-न्यूज

WebSite.: https://24newsupdate.in

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

उदयपुर, बुधवार 03 दिसम्बर 2025

वर्ष 2 अंक 215

माली कॉलोनी से सबसिटी सेंटर तक बोटलनेक हटाया, नेहरू हॉस्टल के पास संपर्क सड़क का काम शुरू



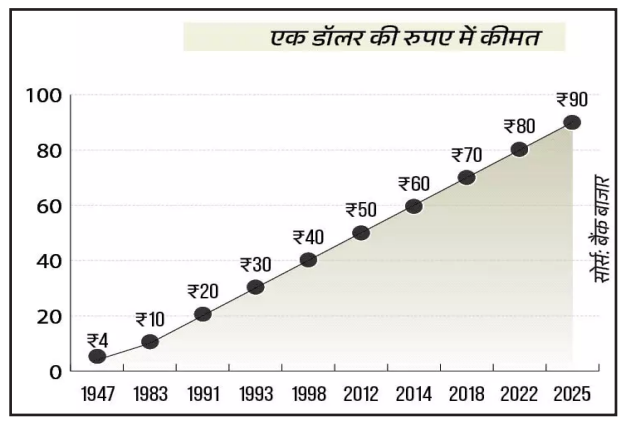
24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर की माली कॉलोनी और नेहरू हॉस्टल के पास से गुजरने वाले मार्गों पर लंबे समय से राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी हो रही थी। बुधवार को यूडीए ने माली कॉलोनी से सबसिटी सेंटर रोड तक बोटलनेक हटाकर सड़क निर्माण का काम शुरू कर दिया, वहीं नेहरू हॉस्टल के पास नई संपर्क सड़क का निर्माण भी प्रारंभ हुआ। शहर विधायक ताराचंद जैन और यूडीए आयुक्त राहुल जैन ने मौके पर जाकर काम का निरीक्षण किया और स्थानीय लोगों से चर्चा की। जानकारी के अनुसार, हिरणमंगरी की ओर से सेक्टर 3, डोरे नगर और आजाद नगर जाने वाले वाहन चालकों को अब रोंग साइड होकर नहीं जाना पड़ेगा, जिससे दुर्घटना और जाम की समस्या दूर होगी। नेहरू हॉस्टल के पास नई संपर्क सड़क उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन पिछले डेढ़ वर्ष से नेहरू हॉस्टल के पास 92 मीटर लंबी और 6 मीटर चौड़ी जमीन अधिग्रहित कर नई संपर्क सड़क बनाने की कोशिश कर रहे थे। आवश्यक मुआवजा दिलाने के बाद यूडीए ने सड़क निर्माण का काम शुरू किया। यह सड़क बन जाने से वाहन चालकों को सुरक्षित और सीधे मार्ग से सेक्टर 3, डोरे नगर और आजाद नगर जाने की सुविधा मिलेगी, और दुर्घटनाओं का खतरा कम होगा। स्थानीय लोगों की मांग पर अंडर ग्राउंड केबलिंग के लिए भी निर्देश जारी किए गए हैं।

माली कॉलोनी से सबसिटी सेंटर रोड पर बोटलनेक समाप्त

इसके साथ ही माली कॉलोनी से परशुराम चौराहे तक करीब 100 मीटर कच्ची सड़क को भी पक्का किया जा रहा है। पुराने कच्चे मार्ग और बोटलनेक की वजह से राहगीरों को धूल-मिट्टी और असुविधा का सामना करना पड़ता था। स्थानीय पक्षकारों से समझाइश और उचित मुआवजा देने के बाद यह मामला निस्तारित हुआ, और अब सड़क निर्माण का काम शुरू हो गया है। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष कन्हैया वैष्णव, निवर्तमान पार्षद अरविंद जारोली, हेमंत बोहरा, भरत जोशी, चंद्र प्रकाश सुहालका, पूर्व पार्षद लवदेव बागड़ी, प्रवीण मारवाड़ी, रामेश्वर भट्ट, विजय प्रकाश विप्लवी, दिनेश माली, मयूरध्व सिंह चौहान, जितेन्द मारू, और यूडीए के वरिष्ठ अभियंता संजीव शर्मा, अधिशाषी अभियंता हितेष, सहायक अभियंता प्रभुलाल सुथार समेत कई लोग उपस्थित थे।

रुपया पहली बार डॉलर के मुकाबले 90.21 पर आया: इससे सोना, क्रूड ऑयल और विदेशी सामान महंगे होंगे, एक्सपोर्टर्स को फायदा



24 न्यूज अपडेट

रुपया आज यानी 3 दिसंबर को डॉलर के मुकाबले अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। PTI के अनुसार आज डॉलर के मुकाबले रुपया 25 पैसे गिरकर 90.21 के स्तर पर बंद हुआ। इससे पहले मंगलवार को ये 89.96 रुपए पर बंद हुआ था।

लगातार विदेशी फंड्स की निकासी ने रुपए पर दबाव बनाया है। रुपया 2025 में अब तक 5.26% कमजोर हो चुका है। 1 जनवरी को रुपया डॉलर के मुकाबले 85.70 के स्तर पर था, जो अब 90.21 रुपए के लेवल पर पहुंच गया है।

रुपए में गिरावट से इम्पोर्ट करना महंगा होगा

रुपए में गिरावट का मतलब है कि भारत के लिए चीजों का इम्पोर्ट महंगा होना है। इसके अलावा विदेश में घूमना और पढ़ना भी महंगा हो गया है।

मान लीजिए कि जब डॉलर के मुकाबले रुपए की वैल्यू 50 थी, तब अमेरिका में भारतीय छात्रों को 50 रुपए में 1 डॉलर मिल जाता था। अब 1 डॉलर के लिए छात्रों को 90.21 रुपए खर्च करने पड़ेंगे। इससे छात्रों के लिए फीस से लेकर रहना-खाना और अन्य चीजें महंगी हो जाएंगी।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 में कायकिंग एवं केनोईंग की प्रातःकालीन प्रतियोगिताएं सम्पन्न



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 के दूसरे दिन फतहसागर की पाल पर कायकिंग और केनोईंग प्रतियोगिताओं का आयोजन प्रातःकालीन सत्र में किया गया। प्रतियोगिताओं के दौरान खिलाड़ियों को उत्साहवर्धन, आशिवर्चन और पुरस्कार वितरण हेतु कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख अतिथियों में पुनित शर्मा, जिला सांख्यिकी अधिकारी; पार्थ शर्मा, कोषाधिकारी, जिला कलेक्ट्रेट; नरेन्द्र भूरिया, खेल प्रबंधक, राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद; सुधीर बक्सी, सचिव, राजस्थान बैडमिंटन संघ; भगवान वैष्णव, अध्यक्ष, राजस्थान कायकिंग एवं केनोईंग संघ; दिलीप सिंह चौहान, सचिव, राजस्थान कायकिंग एवं केनोईंग संघ; तुषार मेहता, वरिष्ठ भाजपा नेता; गिरधारी सिंह चौहान, तीरंदाजी प्रशिक्षक और परिषद के प्रशिक्षक शामिल रहे। जिला खेल अधिकारी डॉ. महेश पालीवाल ने बताया कि आज सुबह 9 बजे 500 मीटर की दौड़ में पुरूष वर्ग में कायकिंग-1 में निंगोबम मंजीत मीटी (चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी) ने स्वर्ण पदक, योगेश सिंह (पंजाब यूनिवर्सिटी, पटियाला) ने रजत पदक और विशाल गोस्वामी (लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी) ने कांस्य पदक जीता। केनोईंग 1 में टोगब्रम रोशन सिंह, गुरूकाशी यूनिवर्सिटी ने स्वर्ण पदक, अल्पेश सुभाष, सावित्रीबाई फुले पुणे यूनिवर्सिटी ने रजत पदक, और आदर्श किशनकुट्टे, यूनिवर्सिटी ऑफ केरला ने कांस्य पदक हासिल किया। कायकिंग 2 में के. याईफाटोबी देवी और आचल कचरू साहरे (चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी) ने स्वर्ण पदक, कुलसुम और पुष्पा यादव (पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़) ने रजत पदक तथा दिप्ती और जशमीन (पंजाब यूनिवर्सिटी, पटियाला) ने कांस्य पदक प्राप्त किया। केनोईंग 2 में मोइरंगथेम सोफिया देवी और सलाम चाओबा देवी (चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी) ने स्वर्ण पदक, निकी और अनु (पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़) ने रजत पदक, जबकि अनुष्का सन्तोष, अम्बेडकर, संस्कृति सोमनाथ सिन्दे (सावित्रीबाई फुले पुणे यूनिवर्सिटी) ने कांस्य पदक जीता। कायकिंग 4 में मैरेम्बम लचेन्बा, साहिल देसवाल, निंगोबम मंजीत मीटी और देव चौधरी (चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी, मोहाली) ने स्वर्ण पदक, लक्षवीर सिंह, विशाल डागी, मंयक शर्मा और इन्द्रराज कुमार (गुरूनानक यूनिवर्सिटी, अमृतसर) ने रजत पदक, जबकि लवकुमार और शुभम, मनवीर सिंह और रोहित (पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़) ने कांस्य पदक प्राप्त किया। डॉ. महेश पालीवाल ने बताया कि अगले दिनों प्रतियोगिता सुबह 8 बजे से प्रारंभ होगी और सभी खिलाड़ी अपनी प्रतिस्पर्धा जारी रखेंगे।

उदयपुर में नुपूर सेनन की शादी की हलचल, स्टेबिन बेन के साथ बंधेंगे सात फेरे



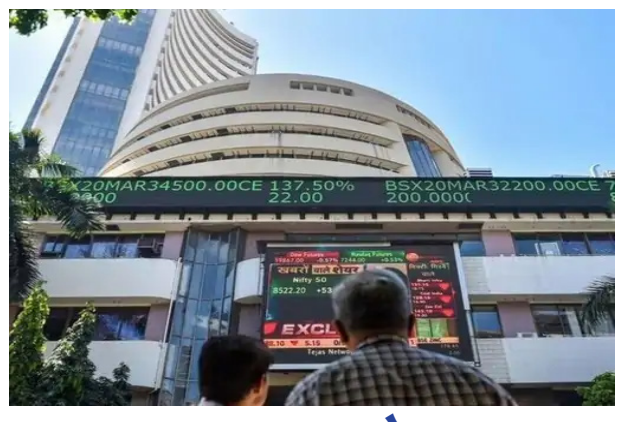
24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। बॉलीवुड की जानी-मानी एक्ट्रेस कृति सेनन की छोटी बहन और सिंगर-एक्ट्रेस नुपूर सेनन अगले महीने जनवरी में अपने लॉन्गटाइम बॉयफ्रेंड स्टेबिन बेन के साथ शादी के बंधन में बंध सकती हैं। सूत्रों के मुताबिक, 8 और 9 जनवरी 2026 को उदयपुर के होटल फेयरमाउंट में इस शादी का आयोजन होने की संभावना है। हालांकि अभी तक इस बात की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। नुपूर और स्टेबिन करीब तीन साल से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं और अक्सर विभिन्न इवेंट्स और फंक्शंस में एक साथ नजर आते हैं। शादी समारोह में दोनों के करीबी परिवारजन और कुछ बॉलीवुड सितारे शामिल होने की संभावना जताई जा रही है।

बॉलीवुड में नुपूर सेनन ने अपने करियर की शुरुआत तेलुगु फिल्म 'नागेश्वर राव' से की थी। इसके बाद चार साल पहले नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ 'नूरानी चेहरा' फिल्म में बॉलीवुड में डेब्यू किया। इसके अलावा वे अक्षय कुमार के एलबम सॉन्ग 'मैं किसी और का हूं फिलहाल..' में भी नजर आ चुकी हैं। स्टेबिन बेन अपने गायकी करियर के लिए जाने जाते हैं।

उन्होंने 'शिमला मिर्ची', 'होटल मुंबई' जैसी फिल्मों में गाने दिए हैं और टीवी सीरीज 'कैसी ये यारियां' में भी अपनी आवाज का जादू बिखेरा है। उदयपुर पिछले कुछ सालों से बॉलीवुड और अंतरराष्ट्रीय सितारों की शादियों का पसंदीदा स्थल बनता जा रहा है। हाल ही में 21 से 24 नवंबर तक अमेरिकी अरबपति राजू मंटेना की बेटी नेत्रा मंटेना और वामसी गडिराजू की भव्य शादी हुई थी, जिसमें ट्रम्प जूनियर, शाहिद कपूर, रणबीर सिंह, नोरा फतेही समेत कई बड़े सितारे शामिल हुए थे। हॉलीवुड सिंगर जेनिफर लोपेज ने भी परफॉर्मेंस दी थी। इसके पहले उदयपुर में इंडियन क्रिकेटर हार्दिक पंड्या, एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा, रवीना टंडन, कंगना रनौत के भाई अक्षय रनौत, उद्योगपति मुकेश अंबानी की बेटी ईशा अंबानी, एक्टर नील नितिन मुकेश जैसी हस्तियों की शादियों का आयोजन भी हो चुका है। उदयपुर अब बॉलीवुड और हाई प्रोफाइल शादियों का पसंदीदा शहर बन चुका है, और नुपूर सेनन की शादी के लिए शहर में तैयारियों का शोर भी तेजी से बढ़ रहा है।

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन गिरावट: सेंसेक्स 31 अंक गिरकर 85,107 पर बंद , निफ्टी भी 46 अंक लुढ़का; ऑटो-FMCG शेयर्स गिरे

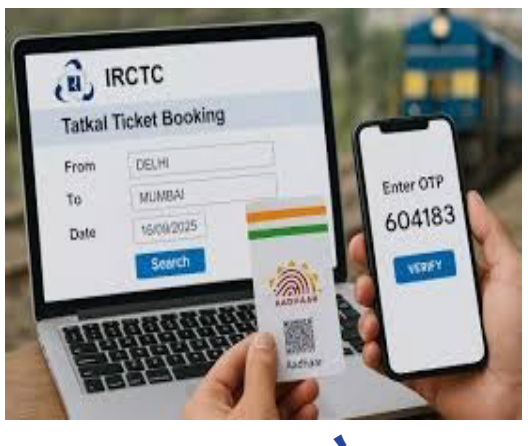


24 न्यूज अपडेट

हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन आज यानी बुधवार, 3 दिसंबर को सेंसेक्स 31 अंक गिरकर 85,107 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में 46 अंक की गिरावट रही, ये 25,986 के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 20 में गिरावट रही। आज के कारोबार में ऑटो, एनर्जी और FMCG के शेयरों में गिरावट रही। IT और बैंकिंग शेयरों में तेजी रही।

रेलवे में बड़ा बदलाव : तत्काल टिकट पर अब खिड़की से बुकिंग भी ओटीपी आधारित, दुरुपयोग पर लगेगी लगाम



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। रेलवे आगामी दिनों में तत्काल टिकट खिड़की पर भी ओटीपी आधारित प्रणाली लागू करने की तैयारी में है। रेलवे बीट से जुड़े सूत्रों के अनुसार, यह व्यवस्था पायलट प्रोजेक्ट में सफल रहने के बाद अब सभी ट्रेनों पर विस्तारित की जाएगी। उद्देश्य है—तत्काल कोटे में वर्षों से चल रहे दुरुपयोग और फर्जी बुकिंग पर पूरी तरह रोक लगाना, ताकि वास्तविक यात्रियों को टिकट मिल सके। जुलाई 2025 में रेलवे ने ऑनलाइन तत्काल टिकटों के लिए आधार-आधारित प्रमाणीकरण लागू किया था। इसके बाद अक्टूबर 2025 में सभी आरक्षित टिकटों की प्रथम-दिवस बुकिंग को ओटीपी आधारित प्रणाली पर शिफ्ट किया गया। दोनों पहलें बड़ी संख्या में यात्रियों द्वारा अपनाई गईं और इससे टिकटिंग प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ी। इसके आगे बढ़ते हुए 17 नवंबर 2025 को रेलवे ने आरक्षण काउंटरों पर तत्काल टिकट के लिए भी ओटीपी आधारित प्रणाली का पायलट शुरू किया। शुरू में कुछ सीमित ट्रेनों पर लागू हुई यह व्यवस्था अब 52 ट्रेनों तक पहुंच चुकी है। इसमें यात्री द्वारा आरक्षण फॉर्म में दर्ज मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी भेजा जाता है। ओटीपी सत्यापन पूरा होने पर ही टिकट जारी किया जाता है। रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, आने वाले समय में यह व्यवस्था सभी शेष ट्रेनों पर लागू कर दी जाएगी। विभाग का मानना है कि इससे दलालों की भूमिका लगभग समाप्त होगी और वास्तविक यात्रियों को ही तत्काल कोटे का लाभ मिल सकेगा। रेलवे इसे टिकटिंग सिस्टम में पारदर्शिता, सुरक्षा और यात्री सुविधा बढ़ाने की दिशा में सबसे बड़ा सुधार मान रहा है।

गोगुंदा–पिंडवाड़ा हाईवे पर कंटेनर और रोडवेज बस की टक्कर, छह घायल



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। गोगुंदा–पिंडवाड़ा हाईवे पर गुरुवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जब तेज रफ्तार कंटेनर ने सवारियों से भरी रोडवेज बस को पीछे से टक्कर मार दी। हादसा खोखरिया नाल सुरंग के पास हुआ। बस गोगुंदा से भीनमाल जा रही थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हाईवे के लंबे ढलान में पीछे से आ रहे कंटेनर के ब्रेक फेल हो गए, जिससे वह अनियंत्रित होकर सीधे बस से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे में बस में सवार लगभग आधा दर्जन लोगों को हल्की चोटें आई हैं। हालांकि, गनीमत रही कि कोई गंभीर हादसा या बड़ा नुकसान नहीं हुआ। सूचना मिलते ही गोगुंदा पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने रोडवेज बस को आगे भीनमाल के लिए रवाना करवाया। वहीं, कंटेनर को जब्त कर थाने में खड़ा कर दिया गया। चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। हाईवे पर कुछ समय तक यातायात बाधित रहा, लेकिन पुलिस और यातायात अधिकारियों की तत्परता के चलते स्थिति जल्द सामान्य कर दी गई। सुरक्षा और सतर्कता का संदेशः हादसे ने हाईवे पर तेज रफ्तार और ब्रेक फेल जैसी स्थिति में सतर्क रहने की आवश्यकता फिर से उजागर कर दी।

चांदी 3010 बढ़कर 1.78 लाख किलो पर बंद: सुबह 1.79 लाख ऑलटाइम हाई बनाया था, सोना 621 बढ़कर 1.28 लाख प्रति 10 ग्राम हुआ



24 न्यूज अपडेट

चांदी के दाम आज यानी 3 दिसंबर को ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार ये आज सुबह 1,78,684 रुपए हो गया था। हालांकि इसके बाद इसके दाम में थोड़ी गिरावट आई और ये 3010 रुपए बढ़कर 1,78,190 रुपए पर बंद हुई। पहले चांदी की कीमत 1,75,180 रुपए प्रति किलोग्राम थी।

वहीं 10 ग्राम सोना 621 रुपए महंगा होकर 1,28,214 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले 10 ग्राम सोना 1,27,593 रुपए का था। 17 अक्टूबर को सोने ने 1,30,874 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

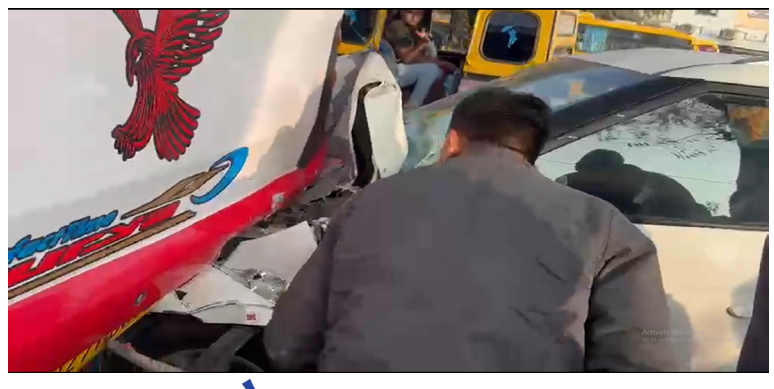
संपादकीय : संदेह का संचार

इसमें कोई दोराय नहीं कि तेजी से डिजिटल होती दुनिया में साइबर फर्जीवाड़ा तथा इससे जुड़े अन्य अपराधों ने एक जटिल शक्ल अख्तियार कर ली है और उससे निपटने के लिए ठोस उपाय जरूरी हैं। मगर सवाल है कि अपराध या जोखिम से बचाव के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले किसी औजार को क्या एक नए तरह की असुरक्षा का वाहक बनने की इजाजत दी जा सकती है! केंद्रीय संचार मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी एक आदेश के तहत यह कहा गया था कि सभी स्मार्टफोन कंपनियां नब्बे दिनों के भीतर अपने स्मार्टफोन में सरकार द्वारा तैयार किए गए साइबर सुरक्षा एप 'संचार साथी' को पहले से ही इस तरह इंस्टाल करें कि उसे डिलीट और प्रतिबंधित या अक्षम नहीं किया जा सके। सरकार के मुताबिक, यह एप मोबाइल उपयोगकर्ताओं को धोखाधड़ी वाले फोन और संदेशों की रपट लिखवाने के साथ-साथ चोरी हुए मोबाइल की जानकारी देने में मदद करता है। प्रथम दृष्टया सरकार की यह पहल तेजी से फैल रहे डिजिटल फर्जीवाड़े और इससे जुड़ी अन्य गड़बड़ियों से बचाना दिखता है, मगर किसी भी स्मार्टफोन की बाकी सुविधाओं तक इस एप की पहुंच और इसके काम करने के तरीके के संबंध में जैसे तथ्य सामने आए हैं, उसे लेकर स्वाभाविक ही इसका तीखा विरोध शुरू हो गया है। संचार साथी एप पहले से ही इंटरनेट पर 'सर्च इंजन' पर मौजूद है, लेकिन अब तक इसे उपयोगकर्ता स्वैच्छिक तौर पर ही अपने स्मार्टफोन में डाउनलोड करते रहे हैं। ताजा आदेश में जिस तरह इसकी अनिवार्यता को लागू करने की बात कही गई, उसके बाद सरकार के इस फैसले पर सवाल उठे हैं। विपक्षी दलों की ओर से यह आशंका जताई गई है कि सरकार इसके जरिए व्यक्ति की निजता के अधिकार को खत्म कर उसकी हर गतिविधि की जासूसी करना चाहती है या उसकी निगरानी करना चाहती है। किसी स्मार्टफोन में इंस्टाल होने के बाद संदेशों से लेकर अन्य जरूरी सुविधाओं तक पहुंच होने की वजह से संचार साथी के बेजा इस्तेमाल को लेकर भी अनेक आशंकाएं सामने आने लगी हैं। अगर वे सही उतरीं, तो इसकी क्या गारंटी है कि इस एप के जरिए न केवल लोगों की निजता के अधिकार को ताक पर रखा जाएगा, बल्कि उनके फोन में छेड़छाड़ भी की जाएगी! हालांकि इस फैसले पर चौतरफा सवाल उठने पर सरकार की ओर से सफाई आई कि लोग इसे चाहें तो न रखें या अगर फोन में है तो उसे डिलीट कर दें। यह वैकल्पिक है। अगर वास्तव में ऐसा ही है तो संचार साथी एप को क्यों नहीं 'सर्च इंजन' के तहत ही रहने दिया जाता है, ताकि जिन्हें जरूरी लगे, वे स्वैच्छिक रूप से डाउनलोड कर लें । फिर अगर डिजिटल फर्जीवाड़े या अन्य साइबर अपराधों से लोगों की सुरक्षा के लिए ऐसे आदेश जारी किए जाते हैं, तो इसके बजाय तकनीक तथा उसके उपयोग को लेकर देश भर में व्यापक प्रशिक्षण और जागरूकता का अभियान क्यों नहीं चलाया जाता ? अपराधियों को पकड़ने में भी आधुनिक तकनीक आज कारगर भूमिका निभा रही है । एक समस्या स्मार्टफोन कंपनियों के सरकार के फरमान पर राजी होने को लेकर भी आ सकती है। यों भी, यह विचित्र है कि नागरिकों के स्मार्टफोन में कोई ऐसा ऐप रखना अनिवार्य बनाया जाए, जिसे लेकर आशंकाएं उभर रही हों कि वह एप लोगों को कितना साइबर अपराधों से बचाएगा और किस स्तर पर जोखिम का वाहक बनेगा !

अराजकता के पांव

चंडीगढ़ देश का एक नियोजित शहर है, यहां की सड़कों से लेकर आवासीय क्षेत्रों को व्यवस्थागत तरीके से विकसित किया गया है । रहने की लिहाज से यह शहर आज भी लोगों की प्राथमिकता सूची में दर्ज है। इसकी सूरत तो आज भी आकर्षक बनी हुई है, लेकिन सीरत पिछले कुछ वर्षों से बदल रही है। जिस शहर को कभी शांतप्रिय माना जाता था, अब वहां अराजकता के पांव पालने से बाहर आने लगे हैं। गिरोहबाज बेखौफ होकर सड़कों पर अपराध को अंजाम देने लगे हैं। चंडीगढ़ के सेक्टर-26 में सोमवार की रात एक व्यक्ति की सरेआम गोली मार कर हत्या कर देने की वारदात से शहर की कानून व्यवस्था पर कई सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस का कहना है कि यह घटना गिरोहबाजों की आपसी रंजिश का परिणाम हो सकती है, क्योंकि मृतक व्यक्ति कभी गिरोहबाज लारेंस बिश्नोई का करीबी हुआ करता था और अब वह किसी दूसरे गिरोह के लिए काम कर रहा था। गौरतलब है कि गिरोहबाज लारेंस बिश्नोई पिछले काफी समय से जेल में बंद हैं और अब उसके भाई अनमोल बिश्नोई को भी सुरक्षा एजंसियों ने अमेरिका से प्रत्यर्पित कर गिरफ्तार कर लिया है। ऐसी खबरें भी आई हैं कि लारेंस जेल से ही अपने गिरोह को संचालित कर रहा है। अगर ऐसा है तो यह भी संभव है कि इसमें कई स्तरों पर लापरवाही बरती जा रही हो या फिर सुरक्षा एजंसी के कर्मियों की मिलीभगत हो। चंडीगढ़ में जो वारदात हुई है, उसने भी पुलिस की कार्यप्रणाली पर एक बार फिर सवालिया निशान लगा दिया है। अपराधियों ने सड़क पर खुलेआम गोलियां चलाकर इस वारदात को अंजाम दिया और फरार हो गए। आखिर क्या वजह है कि चंडीगढ़ जैसे शहर में भी अपराधी इस तरह सड़कों पर बेखौफ घूम रहे हैं? पुलिस के मुताबिक, मृतक सेक्टर-33 में ही रहता था और उसके खिलाफ पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। सवाल है कि अगर वह वांछित अपराधी था और शहर में ही रह रहा था, तो पुलिस अब तक उसे अपनी गिरफ्त में क्यों नहीं ले पाई ? जाहिर है कि स्थानीय पुलिस तंत्र में ही खामियां हैं और जब तक इन्हें दुरुस्त नहीं किया जाएगा, तब तक शहर की कानून व्यवस्था भी पंगु बनी रहेगी ।

उदयपुर CNG पंप के पास भीषण टक्कर, एयरबैग ने बचाई चालक की जान



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर प्रतापनगर–देबारी मार्ग पर आज वो मंजर सामने आया, जिसे देखकर कुछ पल के लिए पूरे इलाके की सांस थम गई। तेज रफ्तार में बेकाबू हुई एक कार अचानक CNG पंप के सामने खड़ी बस से जा टकराई टक्कर इतनी भीषण थी कि पूरे क्षेत्र में धमाके जैसी आवाज गूंज उठी। प्रतापनगर आमली चौराहे पर खड़ी बस का अगला हिस्सा पिचका आसपास मौजूद लोग मौके की ओर भागे और सामने था एक ऐसा दृश्य, जिसने किसी बड़े हादसे की आशंका जगा दी थी। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि कार चालक लंबी ड्राइव के दौरान आई नींद की झपकी की वजह से नियंत्रण खो बैठा। तेज रफ्तार में दौड़ती कार सीधे बस के पिछले हिस्से में घुस गई। सबसे बड़ी राहत यह रही कि बस में उस समय कोई सवार नहीं था, और बस चल नहीं रही थी वरना स्थिति भयावह हो सकती थी। हादसे की सूचना मिलते ही प्रतापनगर पुलिस मौके पर पहुंची। सबसे पहले क्षेत्र को सुरक्षित किया गया ताकि कोई दूसरी दुर्घटना न हो। उसके बाद क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त कार को सड़क से हटाया गया और यातायात बहाल किया गया। चौंकाने वाली बात यह रही कि इतनी जोरदार टक्कर के बावजूद कार चालक की जान बच गई—क्योंकि समय रहते एयरबैग खुल गए, और बड़ा हादसा टल गया। कुछ देर के लिए आमली चौराहे पर जाम जैसी स्थिति बनी, लेकिन पुलिस की त्वरित कार्रवाई से हालात फिर सामान्य हो गए।

कम दबाव और अनियमित सप्लाई के विरोध में जलदाय विभाग को ज्ञापन, पाइपलाइन बदलने की उठी मांग



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर में पर्याप्त बारिश होने और जलाशयों के भरने के बाद भी कई वार्डों में पानी सप्लाई की समस्या बनी हुई है। कम दबाव, एक दिन छोड़कर एक घंटे से भी कम समय की सप्लाई और बिल पूरे महीने का—इन समस्याओं को लेकर अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत संगठन ने सोमवार को जलदाय विभाग, पटेल सर्कल में अधिशासी अभियंता विमल प्रकाश सिसोदिया को ज्ञापन सौंपा। ग्राहक पंचायत के जिला मंत्री नारायण पंचोली ने बताया कि सेक्टर–14 के जी ब्लॉक, कालका माता रोड, यूनिवर्सिटी रोड और प्रतापनगर क्षेत्र की कई कॉलोनियों में सप्लाई ठेकेदारों के भरोसे है। ठेकेदार मनमर्जी से समय बदल देते हैं और पानी भी कम दबाव में छोड़ा जाता है। राज्य सरकार अधिक नल कनेक्शन देने की बात कर रही है, पर जिन इलाकों में कनेक्शन दिए जा चुके हैं, वहीं सप्लाई में सुधार नहीं हो पा रहा है। प्रतिनिधि मंडल ने बताया कि 20–30 वर्ष पुरानी पाइपलाइनें जगह–जगह टूटी पड़ी हैं, लगातार पानी बहता रहता है और कम दबाव में सप्लाई मिलती है। छोटी साइज की पुरानी पाइपलाइन आबादी बढ़ने के बाद अब जरूरत पूरी नहीं कर पा रही, इसलिए बड़े आकार की नई पाइपलाइन बिछाने की मांग भी रखी गई। संगठन ने उस लापरवाही की ओर भी ध्यान दिलाया, जहां टंकियां भरने के बाद पानी ओवरफ्लो होकर बहता रहता है या लोग सड़कों पर वाहन धोकर पानी की बर्बादी करते हैं। ऐसे लोगों पर जुर्माना लगाने और सख्त कार्रवाई की मांग भी की गई।

प्रतिनिधि मंडल में प्रांत संगठन मंत्री राकेश पालीवाल, जिला अध्यक्ष शिव कुमार शर्मा, करण सिंह कटारिया, रमेश जोशी, फतहलाल पारिक आदि शामिल रहे। अधिशासी अभियंता सिसोदिया ने मांगों को वाजिब मानते हुए शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया।

दिल्ली महारैली की तैयारी तेज़: उदयपुर देहात जिला कांग्रेस की प्रमुख बैठक 6 दिसंबर को



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) प्रक्रिया के दौरान 'वोट चोरी रोकने के महाअभियान' और "वोट चोर गद्दी छोड़" आंदोलन को गति देने के लिए 14 दिसंबर को दिल्ली में प्रस्तावित महारैली की तैयारियाँ तेज हो गई हैं। इसी क्रम में उदयपुर देहात जिला कांग्रेस कमेटी के अंतर्गत आने वाले सभी विधानसभा क्षेत्रों के प्रमुख नेताओं की महत्वपूर्ण बैठक 6 दिसंबर को आयोजित की जाएगी। जिला कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. संजीव राजपुरोहित ने बताया कि उदयपुर देहात जिला कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष रघुवीर सिंह मीणा ने पदभार ग्रहण के दूसरे दिन ही सूरजपोल स्थित जिला कार्यालय में विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के विधायकों, पूर्व प्रत्याशियों और प्रमुख पदाधिकारियों के साथ बैठक की। इसमें विधानसभा क्षेत्रों में बीएलए द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत किए जा रहे कार्य की विस्तृत समीक्षा की गई।

मीणा ने बताया कि कांग्रेस हाईकमान के निर्देशानुसार 14 दिसंबर को दिल्ली में होने वाली महारैली में उदयपुर देहात से मजबूत उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए 06 दिसंबर को सभी प्रमुख नेताओं की संयुक्त बैठक रखी गई है। इस बैठक में बूथ स्तर तक की रणनीति, मतदाता सूची पुनरीक्षण से जुड़े मुद्दे और 'वोट चोरी' के खिलाफ अभियान की स्थानीय तैयारी पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने बताया कि वे जिला कांग्रेस कार्यालय में सोमवार, बुधवार एवं शुक्रवार सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक नियमित रूप से बैठेंगे और इस दौरान जिले के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से संवाद कर संगठनात्मक गतिविधियों को गति देंगे।

सुखाड़िया सर्किल पर देर रात ठेले में आग, युवक व फायर ब्रिगेड की तत्परता से बड़ा हादसा टला



24 न्यूज अपडेट

सुखाड़िया सर्किल स्थित बिग बाजार के सामने मंगलवार देर रात एक खड़े ठेले में अचानक आग लग गई। आग किसने लगाई—यह फिलहाल स्पष्ट नहीं, लेकिन प्रारंभिक संभावना है कि किसी शरारती तत्व द्वारा बंद ठेले में आग लगाने की कोशिश की गई। देखते ही देखते लपटें तेज हुईं और पूरा फास्ट फूड ठेला राख में तब्दील हो गया। लेकिन सौभाग्य से एक बड़ा हादसा टल गया। रात में वहां से गुजर रहे रोहित कोठारी ने जैसे ही आग की लपटें देखीं, तुरंत पुलिस अफसर हिमांशु सिंह राजावत को और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। फायर टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। अगर फायर ब्रिगेड कुछ ही मिनट देरी से पहुंचती तो आसपास के सभी ठेले आग की चपेट में आ जाते। हादसा कहीं ज्यादा भयावह रूप ले सकता था। आग इतनी तेज थी कि एक ठेला पूरी तरह जलकर राख हो गया। फायर टीम की तत्परता और समय पर दी गई सूचना से बड़ा नुकसान टल गया।

कॉन्स्टेबल भर्ती 2025: 12वीं RAC बटालियन और मेवाड़ भील कोर खेरवाड़ा की शारीरिक दक्षता परीक्षा के प्रवेश पत्र जारी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 3 दिसम्बर। राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती 2025 के तहत 12वीं आर.ए.सी बटालियन और मेवाड़ भील कोर खेरवाड़ा की शारीरिक दक्षता एवं मापतौल परीक्षाओं के प्रवेश पत्र जारी कर दिए गए हैं। अभ्यर्थी अपने-अपने प्रवेश पत्र राजस्थान पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं। 12वीं आर.ए.सी बटालियन की शारीरिक दक्षता एवं शारीरिक मापतौल परीक्षा 8 दिसम्बर को प्रातः 6 बजे से राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर में आयोजित होगी। वहीं, मेवाड़ भील कोर खेरवाड़ा की शारीरिक दक्षता परीक्षा 10 दिसम्बर को महाराणा भूपाल स्टेडियम, पहाड़ी बस स्टैंड चेतक सर्कल, उदयपुर में आयोजित की जाएगी। दोनों परीक्षाओं के लिए सफल अभ्यर्थियों को कॉन्स्टेबल भर्ती 2025 की विज्ञप्ति के बिन्दु 16 में वर्णित निर्देशों के अनुसार मूल प्रमाण-पत्र, उनकी स्व-प्रमाणित प्रतियां, तथा राजकीय चिकित्सक द्वारा जारी आरोग्य एवं फिटनेस प्रमाण-पत्र साथ लाना अनिवार्य है। प्रवेश पत्र में दिए सभी दिशा-निर्देशों का पालन करना होगा।

दिव्यांगजन अंग उपकरण वितरण शिविर संपन्न



24 न्यूज अपडेट

खेरवाड़ा, शिविर प्रभारी उपखंड अधिकारी जय सिंह के निर्देशन में पंचायत समिति परिसर में दिव्यांगजन अंग उपकरण वितरण समारोह संपन्न हुआ। शिविर के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक नानालाल अहारी रहे, अध्यक्षता सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक गिरीश भटनागर द्वारा की गई। विशिष्ट अतिथि समाजसेवी पारस जैन, पंचायत समिति प्रधान पुष्पा मीना, मंडल अध्यक्ष हेमंत मेहता तथा सरपंच लक्ष्मी देवी अहारी रहे। पूर्व में 22 जुलाई को आयोजित प्रथम चरण के शिविर में जिन 49 दिव्यांगजनों को उपकरण हेतु चिन्हित किया गया था उन्हें आमंत्रित कर कृत्रिम अंग एवं कैलिपर्स, ट्राई साइकिल, व्हीलचेयर, बैसाखी, कान की मशीन दृष्टि बाधितार्थ फोल्डिंग छड़ी, मानसिक रोगियों हेतु किट,कुष्ठ रोगियों हेतु किट आदि उपकरण दूसरे चरण में भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) की पुनर्वास विशेषज्ञ की टीम द्वारा वितरित किए गए। इससे पूर्व संयुक्त निदेशक भटनागर, विकास अधिकारी मदन लोहार तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के विशाल जोशी द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। शिविर को समारोह अध्यक्ष, मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि ने संबोधित किया। शिविर का आयोजन प्रातः 10:00 बजे से सांय 4: 00 बजे तक किया गया। शिविर में चिन्हित 40 दिव्यांग जनों को साढ़े आठ लाख रूपये मूल्य के उपकरण वितरित किए गए।

शिविर में व्यवस्था की दृष्टि से पंचायत समिति, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी,ब्लॉक सामाजिक सुरक्षा अधिकारी एवं परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग कार्यालय के कार्मिक उपस्थित रहे। शिविर में खेरवाड़ा उपसरपंच विक्रांत कोठारी, जिला प्रवक्ता आजाद कलाल, नरेश अग्रवाल आदि भी उपस्थित रहे। संचालन विपुल लक्षकार ने किया तथा आभार सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के हर्षित पंचोली ने ज्ञापित किया।

मेवाड़ वागड़ खेल महोत्सव 2026 का पोस्टर विमोचन



24 न्यूज अपडेट

राजस्थान नर्सिंग एसोसिएशन उदयपुर के तत्वाधान में आयोजित संभाग स्तरीय मेवाड़ वागड़ खेल महोत्सव 2026 का पोस्टर विमोचन किया गया। महाराणा भूपाल हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉ आर एल सुमन , उप अधीक्षक डॉ संजीव टांक, राजस्थान नर्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रवीण चरपोटा, कार्यवाहक नर्सिंग अधीक्षक श्रीदेवी, ओम जोशी, नूरानी मईडा , कुसुम मोरी ,सीनियर नर्सिंग ऑफिसर हेमंत आमेटा, शकीला अंसारी, मंगला जोशी , शाहीन,बिंदु , निशा, प्रिया शर्मिला माली,दीपक कुमार मेघवाल , हुकमी चंद गर्ग , गौरव सिंह ,प्रफुल्ल ,राजेंद्र जोशी ,पीयूष शर्मा ,सचिन वैष्णव, पुखराज सोलंकी, अजीत सिंह सर्वेश कारपेंटर, फार्मासिस्ट संघ अध्यक्ष विजेन्द्र सिंह, प्रशांत सोनी, नीतू नागपाल, अंकिता माथुर एवं प्रशासनिक अधिकारी हुकमी चंद आदि सम्मानित गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

युवा डॉक्टरों ने 129 यूनिट रक्तदान कर दिखाई मानवता की मिसाल



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। डॉ. मोज मालव एवं डॉ. राम शर्मा मेमोरियल सोसाइटी (MMRSMS) द्वारा 3 दिसंबर, 2025 को महाराणा भूपाल अस्पताल के ब्लड बैंक में आयोजित श्रद्धांजलि कैम्प XVI में युवा डॉक्टरों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और कुल 129 यूनिट रक्तदान कर जरूरतमंदों के लिए जीवनदान सुनिश्चित किया। इस ब्लड डोनेशन कैम्प में डॉक्टरों ने न केवल रक्तदान किया, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। सोसाइटी ने इस अवसर पर उपस्थित नागरिकों और डॉक्टरों से अपील की कि वे रक्तदान जैसी मानवता सेवा गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लें।

आयोजन समिति और रक्तदाता डॉक्टर: डॉ. प्रशांत शर्मा, डॉ. जयंत नगर, डॉ. दुष्यंत तिवारी, डॉ. सचिन देव राठौड़, डॉ. आकाश चौहान, डॉ. क्षितिज शर्मा, इस कार्यक्रम में सभी डॉक्टरों ने पूरे उत्साह और जोश के साथ भाग लेकर यह संदेश दिया कि मानवता की सेवा हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। ब्लड डोनेशन कैम्प ने यह स्पष्ट कर दिया कि युवा डॉक्टरों और समाजसेवी नागरिकों के प्रयास से जरूरतमंदों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन लाया जा सकता है।

RPSC असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती पर हाईकोर्ट की बड़ी रोक! सिलेबस नहीं तो परीक्षा नहीं



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा–2024 पर अंतरिम रोक लगा दी है। जस्टिस अशोक कुमार जैन की अदालत ने यदुराज व अन्य याचिकाकर्ताओं की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए स्पष्ट निर्देश दिया कि राजस्थान लोक सेवा आयोग (RPSC) पहले परीक्षा का सिलेबस जारी करे और उसके बाद कम से कम 30 दिन बाद ही परीक्षा आयोजित की जाए। अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए RPSC सचिव को भी तलब किया।

गौरतलब है कि RPSC ने सितंबर में 30 विषयों के 574 पदों के लिए भर्ती विज्ञापन जारी किया था। इस भर्ती के लिए लगभग 92 हजार अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने बताया कि आयोग ने विज्ञापन तो जारी कर दिया, लेकिन सिलेबस उपलब्ध नहीं कराया, जिससे अभ्यर्थियों को तैयारी के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पाया।

यह परीक्षा 7 से 20 दिसंबर के बीच आयोजित की जानी थी। एडमिट कार्ड भी गुरुवार को जारी किए जाने थे। परीक्षा का सामान्य ज्ञान पेपर अजमेर, भरतपुर, बीकानेर, जयपुर, जोधपुर, कोटा और उदयपुर में होना था, जबकि ऑप्शनल विषयों के पेपर केवल जयपुर में आयोजित किए जाने थे। इसके लिए कुल 298 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। हाईकोर्ट के आदेश के बाद अब परीक्षा की नई तारीखें तभी घोषित होंगी जब RPSC सिलेबस जारी करेगा और उसके बाद 30 दिनों का अनिवार्य अंतराल पूरा होगा।

आरके पुरम में कलश यात्रा के साथ 7 दिवसीय भागवत कथा अमृत महोत्सव का शुभारंभ



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 3 दिसम्बर । शहर के आरके पुरम, गिरिजा व्यास पेट्रोल पंप के पीछे श्री नाथ नगर, साईं अपार्टमेंट के पास संगीतमय 7 दिवसीय "श्री मद भागवत" कथा अमृत महोत्सव कथा से पूर्व मंशापूर्ण महादेव मंदिर से कलश यात्रा का शुभारंभ हुआ। सात दिनों तक व्यासपीठ से पुष्कर दास महाराज के मुख से अमृतवाणी का श्रवण होगा।

विठ्ठल वैष्णव ने बताया कि कथा के प्रथम दिन सबसे पहले आचार्य संदीप शर्मा ने कलश और भागवत जी का पूजन विधि विधान से करवाया, उसके बाद में भागवत जी की पोथी को महादेव के चरणों में रखकर यात्रा का शुभारंभ किया गया। सभी लोगों ने जगह जगह पुष्प वर्षा करते हुए यात्रा का आदर पूर्वक सम्मान किया । महिलाओं ने अपने सिर पर कलश लेकर यात्रा में बढ़ चढ़ कर भाग लिया । मुख्य यजमान नरेंद्र वैष्णव ने परिवार के साथ भागवत की पोथी को सिर पर धारण किया। सभी महिलाएं भजनों पर झूमते हुए नृत्य करती हुई पूरे मार्ग में यात्रा में सम्मिलित हुई। पुरुष लोग भी भजनों में झूमते हुए नजर आए। यात्रा में सभी लोगों ने भगवान कृष्ण और राधा जी की सुंदर झांकी के दर्शन किए। पूरे मार्ग में भगवान के जयकारे लगते रहे। पहले दिन मुख्य यजमान नरेंद्र वैष्णव ने परिवार के साथ व्यासपीठ पूजन किया और पुष्कर दास महाराज का पगड़ी और उपरना से सम्मान किया ।

महाराज ने प्रथम दिन कहा कि भागवत में सोनक जी ने सूत जी महाराज से कहते हे ऐसी कथा सुनाओ जो कानों को प्रिय लगे और कथा सुनने से मेरे मन में बदलाव हो। कथा के सार की जरूरत है, जिसने भगवान को अपना मान लिया उसने भागवत के सार को समझ लिया । महाराज ने कहा वैष्णव परिवार ने कथा का आयोजन रख कर सभी को जोड़ने का प्रयास किया । कथा सत्संग का आयोजन करवाना सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है, करोड़ों जन्मों के पुण्य उदय होते तभी कोई भागवत का आयोजन करवा सकता है और कोई कथा को श्रवण कर सकता है ।

आगे प्रथम अध्याय की कथा में आत्मदेव की कथा आती है, आत्मदेव के बालक नहीं होने के कारण वह परेशान होते हे और संत उनके घर आते है और प्रसाद देते है। पत्नी धुंधुली गर्भ का दुख नहीं भोगना चाहती और प्रसाद का सेवन नहीं करती है प्रसाद गाय को खिला देती है। इधर उसकी बहन गरीब होती है ओर धुंधुली बहन को धन देती ओर अपनी बहन का बेटा अपने घर ले आती है। इधर गाय के बच्चा होता हे शरीर इंसान के जैसा और कान गाय की तरह जिसका नाम गोकर्ण रखा । गोकर्ण संत की प्रसादी था वह तो पूजा,संध्या आदि करता बहन का बेटा धुंधूकारी बड़ा उद्यमी स्वभाव का होता है। बड़ों की बात, संतों की बात और आंवले का स्वाद बाद में पता चला है। आत्मदेव को एक बेटा सुख दे रहा है एक बेटा दुख, महाराज ने कहा बच्चों के ऊपर मां का स्वभाव कैसा होता है वही असर करता है। बच्चों पर माता पिता को नियंत्रण रखने की जरूरत है, बेटियों को सही शिक्षा देने की जरूरत है । धुंधूकारी बुरे कार्य करने लगा, एक दिन पांच स्त्रियों में फंस गया । पांच स्त्रियां शब्द, स्पर्श, रूप, रस और गंध द्य धुंधूकारी की अकाल मौत होने के कारण वह प्रेत बनकर भटकता हे उसकी आत्मा बांस में बैठी थी और सात गांठ से बंधा हुआ था भागवत कथा सुनने से उसका उद्धार हुआ।

कथा में प्रथम दिन गुप्तेश्वर महादेव महंत तन्मय बन महाराज, भगवान दास वैष्णव,पवन वैष्णव, गणेश दास,अतुल शर्मा, राकेश मूंदड़ा, सुनील चौबीसा, इंदर सिंह आदि उपस्थित रहे ।

कथावाचक इंद्रेश उपाध्याय 5 दिसंबर को लेंगे वैदिक सप्तपदी, संत-समाज और दिव्य अतिथियों की होगी भव्य उपस्थिति



24 न्यूज अपडेट

जयपुर। आध्यात्मिक जगत के लोकप्रिय युवा कथावाचक और वृंदावन परंपरा के सुविख्यात प्रवक्ता इंद्रेश उपाध्याय 5 दिसंबर को जयपुर में धर्म-संस्कारों से ओतप्रोत विवाह सूत्र में बंधने जा रहे हैं। आयोजन होटल ताज आमेर में आयोजित होगा, जहां देश-विदेश से आए संत-महात्माओं और विशिष्ट अतिथियों की सान्निध्य में वे हरियाणा की शिप्रा संग वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सप्तपदी लेंगे। विवाह संस्कार सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक संपन्न होंगे।

संत परंपरा का महाकुंभ बनेगा जयपुर

संत-समाज की विराट उपस्थिति देखने को मिलेगी। बागेश्वर धाम के पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री, मूलक पीठाधीश्वर राजेंद्र दास महाराज, कथावाचक पुंडरीक गोस्वामी, देवकीनंदन ठाकुर, तथा देशभर के अन्य प्रमुख आध्यात्मिक आचार्य इस शुभघड़ी के साक्षी बनेंगे। बॉलीवुड के प्रसिद्ध सिंगर बी प्राक सहित कई राष्ट्रीय हस्तियों को भी आमंत्रण भेजा गया है। वृंदावन की परंपरा से जुड़े इंद्रेश, सुप्रसिद्ध कथावाचक श्रीकृष्णचंद्र शास्त्री के पुत्र हैं और भक्ति, कथा व आध्यात्मिक संवेदना को नई पीढ़ी तक ले जाने वाले प्रभावशाली युवा स्वर माने जाते हैं।

जयपुर के संत-महंत भी होंगे साक्षी

नगर के प्रमुख धर्मपीठों से जुड़े संतों की उपस्थिति इस विवाह को और विशेष बनाएगी। गोविंददेवजी मंदिर के महंत अंजन गोस्वामी, श्री सरस निकुंज के बड़े भैया जी, और कई प्रतिष्ठित महंत आयोजन में सम्मिलित होंगे। संपूर्ण समारोह वैदिक विधि-विधान और ब्रज संस्कृति की सुगंध के साथ सम्पन्न होगा।

विवाह आमंत्रण में वृंदावनधाम का प्रसाद-भक्ति का अनूठा स्पर्श

इंद्रेश उपाध्याय–शिप्रा के विवाह हेतु तैयार कराए गए विशेष आमंत्रण पत्र के साथ वृंदावनधाम के विख्यात मंदिरों का प्रसाद भेजा गया है। इसमें राधारमणजी की मिश्री-इलायची, तुलसी-दल और अन्य मंदिरों के लड्डू शामिल हैं। आमंत्रण पत्र पर नाथद्वारा के श्रीनाथजी का दिव्य स्वरूप भी अंकित है।

"उत्कृष्ट साहित्य जीवन की दिशा तय करता है" - सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले

प्रताप गौरव केन्द्र 'राष्ट्रीय तीर्थ' में 'राष्ट्रीय साहित्य दीर्घा' का शुभारंभ



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 3 दिसंबर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि साहित्य केवल शब्दों का संग्रह नहीं, बल्कि समाज को नई दिशा देने वाला प्रकाश-स्तंभ है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र, समाज और धर्म के प्रति समर्पित साहित्य व्यक्ति को यह समझने की शक्ति देता है कि जीवन की वास्तविक सार्थकता क्या है और वह अपने कर्तव्य पथ पर किस तरह अग्रसर हो।

होसबाले उदयपुर के प्रताप गौरव केन्द्र 'राष्ट्रीय तीर्थ' में 'राष्ट्रीय साहित्य दीर्घा' के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जब कोई व्यक्ति अपने जीवन का योगदान देश और समाज के सशक्तिकरण में देता है, तभी उसका जीवन सार्थक बनता है — और इसी भाव को जगाने में साहित्य की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि उत्कृष्ट साहित्य व्यक्ति के व्यक्तित्व को निखारता है, चरित्र को ऊँचा उठाता है और समाज में सकारात्मक परिवर्तन का आधार बनता है। उन्होंने हर व्यक्ति से आग्रह किया कि श्रेष्ठ साहित्य को दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाएं, क्योंकि ज्ञान से भरा साहित्य ही जीवन की दिशा निर्धारित करता है। प्रताप गौरव केन्द्र के निदेशक अनुराग सक्सेना ने बताया कि केन्द्र के भामाशाह विक्रय केन्द्र पर ज्ञान गंगा प्रकाशन द्वारा 'राष्ट्रीय साहित्य दीर्घा' की स्थापना की गई है। इस दीर्घा में राष्ट्रभक्ति, संस्कृति और सामाजिक उत्थान से जुड़े विशिष्ट साहित्य का स्थायी रूप से प्रदर्शन रहेगा। कार्यक्रम में अखिल भारतीय सह प्रचारक प्रमुख अरुण जैन, अखिल भारतीय सामाजिक सद्भाव प्रमुख बलिराम, क्षेत्र सेवा प्रमुख शिवलहरी, क्षेत्र कार्यकारिणी सदस्य हनुमान सिंह राठौड़, प्रांत सह प्रचारक धर्मेन्द्र सिंह, प्रांत संघचालक एडवोकेट जगदीश राणा सहित कई पदाधिकारी व समाजजनों ने उपस्थिति दर्ज कराई।

25 साल की पहचान का दुरुपयोग: नोएडा कोर्ट ने IIT जोधपुर के एसोसिएट प्रोफेसर को रेप मामले में 10 साल की सजा सुनाई



24 न्यूज अपडेट

जोधपुर। आईआईटी जोधपुर के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. विवेक विजयवर्गीय को नोएडा की एक पॉक्सो/त्वरित अदालत ने 2019 के दर्ज रेप केस में 10 साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अपर सत्र न्यायाधीश एवं त्वरित न्यायालय–द्वितीय प्रिय सिंह की अदालत ने फैसला सुनाते हुए कहा कि आरोपी ने विश्वास का दुरुपयोग करते हुए अपराध को अंजाम दिया, इसलिए कठोर सजा उचित है। अदालत ने उन पर 20 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया।

FIR 6 जून 2019 को दर्ज, सेक्टर 19A के गेस्ट हाउस में रेप का आरोप

पीड़िता ने सेक्टर–20 थाने में IPC की धारा 376 के तहत मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप था कि आरोपी ने नौकरी लगवाने का झांसा देकर उन्हें फिल्मसिटी क्षेत्र के एक ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट के गेस्ट हाउस में बुलाया और वहां जबरदस्ती की। विरोध करने पर गला दबाकर धमकाने का भी आरोप लगाया गया। घटना के बाद पुलिस ने डॉ. विवेक को तत्काल गिरफ्तार कर लिया था। 25 सितंबर 2019 को आरोप तय हुए और मामला ट्रायल में चला।

अदालत की टिप्पणी: "विश्वास और सामाजिक सम्मान तोड़ने वाला अपराध"

अदालत ने फैसले में कहा कि पीड़िता और आरोपी के बीच 25 वर्ष पुरानी पहचान और पेशेवर जुड़ाव था। यह विश्वास आधारित संबंध था, जिसे आरोपी ने योजनाबद्ध तरीके से तोड़ा। अदालत ने अभियोजन पक्ष के सबूतों को सही मानते हुए सजा सुनाई। बचाव पक्ष ने आरोपी के बीमार और वृद्ध माता-पिता का हवाला देकर नरमी की मांग की थी, लेकिन अदालत ने इसे पर्याप्त आधार नहीं माना।

IIT जोधपुर ने किया था निलंबित

घटना के बाद जून 2019 में IIT जोधपुर ने डॉ. विवेक को निलंबित कर दिया था। कुछ महीनों बाद उन्हें सेवा में वापस ले लिया गया था। सजा के बाद संस्थान की ओर से आगे की प्रशासनिक कार्रवाई की संभावना बनी हुई है।

विश्व दिव्यांग दिवस पर उदयपुर में जागरूकता की मिसाल, विद्यार्थियों ने दिखाया अद्भुत कौशल



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर विद्या भवन स्कूल में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें अभिलाषा स्कूल के छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा और कौशल का प्रदर्शन कर सभी का मन मोह लिया। विद्यार्थियों के साथ उनकी प्रभारी रेखा सिंह एवं शिक्षकों की टीम भी उपस्थित रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विद्या भवन संस्थान के मुख्य संचालक श्री राजेन्द्र भट्ट थे, जिनका स्वागत प्रधानाचार्या श्रीमती विजयश्री यादव ने किया। इस अवसर पर विद्या भवन सोसायटी के बोर्ड सदस्य श्रीमती पुष्पा शर्मा, श्री गोपाल बम्ब और श्री अरुण चतुर्वेदी भी उपस्थित रहे। प्रधानाचार्या विजयश्री यादव ने अपने प्रेरक संबोधन में दिव्यांगजन के योगदान और समाज में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला। इसके बाद श्रीमती रेनू सिंह ने कला और रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से व्यक्तित्व विकास और संवेदनशीलता पर विचार साझा किए। कार्यक्रम में दिव्यांग विद्यार्थियों ने संकेत भाषा के माध्यम से अपनी मूलभूत समस्याओं और अनुभवों को साझा किया, जिससे उपस्थित सभी लोग गहराई से प्रभावित हुए। मुख्य अतिथि श्री राजेन्द्र भट्ट ने विद्यार्थियों की प्रतिभा, कौशल और जीवटता की प्रशंसा करते हुए कहा कि दिव्यांगजन हर परिस्थिति में समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। कार्यक्रम के दौरान अभिलाषा स्कूल के विद्यार्थियों को प्रोत्साहन स्वरूप स्मृति-चिह्न और पुरस्कार प्रदान किए गए। उप-प्रधानाचार्या श्रीमती रंजना शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन ललिता चेलावत और संयोजन नीलोफर मुनीर ने किया। अंत में आयोजित हस्ताक्षर अभियान में उपस्थित अतिथियों और प्रतिभागियों ने दिव्यांगजन सम्मान और जागरूकता के संकल्प के साथ अपने हस्ताक्षर किए। इस कार्यक्रम ने समाज में समावेशिता और संवेदनशीलता का संदेश जोरदार तरीके से प्रस्तुत किया।

जल जीवन मिशन घोटाला: सुप्रीम कोर्ट से पूर्व मंत्री महेश जोशी को जमानत, सात महीने बाद जेल से रिहाई का रास्ता साफ



24 न्यूज अपडेट

जयपुर। जल जीवन मिशन (JJM) घोटाले में गिरफ्तार पूर्व मंत्री महेश जोशी को सात माह बाद सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस ए.जी. मसीह की बेंच ने बुधवार को सुनाए आदेश में कहा कि ट्रायल शुरू होने में देरी को देखते हुए जोशी को नियमित जमानत पर रिहा किया जा सकता है। जोशी को ईडी ने 24 अप्रैल 2025 को 900 करोड़ रुपए के कथित घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों के तहत गिरफ्तार किया था। इससे पहले 30 अक्टूबर 2024 को दर्ज एफआईआर में उनका नाम 18 बार उल्लेखित था। राजस्थान हाईकोर्ट ने 26 अगस्त को उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी, जिसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका (SLP) दायर की थी।

जमानत पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान जोशी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा और विवेक जैन ने तर्क दिया कि— जोशी पिछले सात माह से जेल में हैं जबकि ट्रायल की शुरुआत भी नहीं हुई है। ईडी की केस डायरी और प्रस्तुत रिकॉर्ड रिश्वत लेने के आरोपों को पुष्ट नहीं करते। ईडी का दावा है कि जोशी ने अपने बेटे की फर्म को लोन के नाम पर 55 लाख रुपए लिए थे, जबकि यह पूरा पैसा फर्म को वापस कर दिया गया है।

यदि यह रिश्वत की राशि होती, तो इसे वापस क्यों किया जाता?

वकीलों ने कहा कि यह लेनदेन "रिश्वत" नहीं बल्कि वाणिज्यिक व्यवहार था, जिसे बाद में पूर्ण रूप से लौटाया गया। ऐसे में लंबी न्यायिक हिरासत उचित नहीं है।

ईडी ने किया था विरोध ईडी की ओर से जमानत का जोरदार विरोध किया गया। एजेंसी का कहना था— पैसा लौटाने से अपराध की गंभीरता कम नहीं होती। जोशी पर विभागीय टेंडरों में अनियमितता और लाभ के बदले भुगतान लेने के आरोप हैं। रिहा होने पर वह गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं। एसीबी में दर्ज अन्य एफआईआर में भी उनकी भूमिका सामने आई है। हालाँकि, सुप्रीम कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद जमानत देने का फैसला सुनाया।

व्यक्तिगत परिस्थितियाँ भी आईं चर्चा में जोशी की पत्नी का निधन 28 अप्रैल को हुआ था। इस दौरान कोर्ट ने उन्हें चार दिन की राहत अवश्य दी, मगर इसके बाद उन्हें फिर JUDICIAL CUSTODY में भेज दिया गया।

अब आगे क्या?

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद महेश जोशी जल्द ही जयपुर सेंट्रल जेल से बाहर आ जाएंगे। ट्रायल की कार्यवाही नियमित रूप से निचली अदालत में जारी रहेगी। सात महीने की जेल, ट्रायल में देरी और 55 लाख की विवादित राशि—इन तीन बिंदुओं ने इस मामले में जमानत का रास्ता साफ किया है।

उदयपुर की स्वास्थ्य व्यवस्था का मखौल : किसके इशारे पर बार-बार हटाए जा रहे CMHO

डॉ. बामनिया? जयपुर में बैठै किसी सफेदपोश हाथी का बार—बार आ रहा है नाम??



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जिला स्वास्थ्य व्यवस्था इन दिनों फाइलों और फैसलों की राजनीति में उलझकर मज़ाक बन चुकी है। हालात यह हैं कि उदयपुर जैसा संभागीय जिला पिछले ढाई वर्षों में एक ही CMHO की कुर्सी पर तीन-तीन बार दो—दो डॉक्टरों को एक साथ बैठते देख चुका है। और यह सब किसी विभागीय आवश्यकता नहीं, बल्कि जयपुर में बैठी किसी अदृश्य शक्ति के इशारे पर किसी की कुर्सी की हठ को पूरा करने के लिए होता दिखाई दे रहा है। सबसे बड़ा सवाल ये है कि क्या सिस्टम में इतनी ताक़त किसी एक व्यक्ति या किसी समूह की है कि कोर्ट के आदेश भी बार-बार उस कुर्सी तक पहुँचने से रोक दिए जाते हैं?

CMHO बामनिया को कोर्ट क्यों जाना पड़ता है बार-बार?

डॉ. शंकरलाल बामनिया पिछले ढाई साल में तीसरी बार कोर्ट के आदेश से CMHO का पद ग्रहण कर रहे हैं। यह मजाक नहीं तो और क्या है कि हर बार एक नए आदेश से उन्हें हटाया जाता है, फिर कोर्ट जाते ही आरोप और दलीलें न्याय की दहलीज पर फस्स हो जाती हैं। विभागीय आदेशों पर व उन्हें जारी करने वालों पर उंगलियां उठने लगती है। कोर्ट हर बार नए सवाल खड़े करता है व पूछता है कि ये सब हो क्या रहा है, मगर जयपुर में बैठा काई सफेदपोश हाथी मदमस्त होकर फिर से छड़ी घुमाता है, बेखौफ होकर किसी के लिए खेल खेलता है। विभागीय जांच, निलंबन, तबादला—हर बार नया रास्ता और हर बार हाईकोर्ट की बात—इनकी हटाने की प्रक्रिया नियमों के खिलाफ है।

तो सवाल यह है कि क्या स्वास्थ्य विभाग में पूरा तंत्र सिर्फ एक व्यक्ति को रोकने के लिए चल रहा है? और कोई काम नहीं है क्या?? ये ईगो प्रोब्लम आखिर किस आरामपसंद उपरी हवा का फितूर है। क्या जयपुर में बैठे अफसरों के बीच आगे सत्ता प्रतिष्ठान में किसी की इतनी चलती है कि प्रशासन एक ही डॉक्टर को लेकर रोज नया खेल खेलता है? यदि ऐसा है तो जांच का विषय है।

हायरारकी में नीचे बैठे RCHO को हमेशा कार्यभार?

सरकारी सेवा की वरिष्ठता का प्रावधान बिल्कुल स्पष्ट है: CMHO, Additional CMHO, Deputy CMHO, RCHO (Program Officer) पर उदयपुर में यह क्रम उल्टा चलता है। हर बार CMHO का चार्ज सीधे RCHO डॉ. अशोक आदित्य को दिया जाता है, जबकि वे वरिष्ठता में तीसरे स्थान पर हैं। इस सवाल का सीधा व तार्किक जवाब किसी के पास नहीं है कि ऐसा हो क्यों रहा है। Additional CMHO और Deputy CMHO को लगातार बायपास करना आखिर किसके निर्देश पर होता है? अगर ये दोनों काम नहीं कर रहे हैं तो इनके तबादले कर दीजिए। और अगर कर रहे हैं तो जिम्मेदारी दीजिए। मगर खेल खेलते हैं तो साफ पकड़े जाते हैं जनता की अदालत में। सवाल उठता है कि क्या विभाग किसी एक डॉक्टर को शीर्ष कुर्सी सौंपने के लिए पूरी व्यवस्था पीछे धकेल देता है?

ACB चार्जशीट पेंडिंग-फिर भी चार्ज क्यों?

यह भी चर्चा में है कि किसी के खिलाफ ACB की चार्जशीट पेंडिंग है। इस पर भी विभाग मौन है। अब सवाल उठ रहा है—क्या ऐसे में बार-बार CMHO चार्ज देने में किसका लोभ है? किसकी कृपा है? और क्यों है?

कुर्सी का तमाशा: एक पद, दो अफसर और सिस्टम की चुप्पी

मंगलवार को कोर्ट के आदेश पर लौटकर आए CMHO डॉ. बामनिया ने डॉ. आदित्य को उनके मूल पद RCHO पर रिलीव कर दिया। पर डॉ. आदित्य ने आदेश मानने से इनकार कर दिया। यहाँ भी सवाल बड़ा है कि जब कोर्ट ने नियुक्ति स्पष्ट कर दी, तो रिलीव नहीं करने वालों पर कार्रवाई कौन करेगा? कौन है जो विभाग को यह शक्ति दे रहा है कि वह कोर्ट के आदेश को भी चुनौती समझकर अनदेखा करे? या उसका मजाक बना दे। इस बीच डायरेक्टर मेडिकल हेल्थ जयपुर कहते हैं—बामनिया के पास रिलीव करने का अधिकार नहीं। मगर उल्टा सवाल उन पर उठ रहा है कि उन्होंने कोर्ट के आदेश के बावजूद रिलीव क्यों नहीं किया जबकि यह तीसरी बार हो रहा है। क्यों नहीं उन पर भी कार्रवाई की जानी चाहिए। होना तो ये था कि ज्वाइनिंग होते ही कार्यभार वाले का काम खत्म हो जाता व वह मूल जगह पर चला जाता। लेकिन यहां ना भार दिया जा रहा है ना कार्य। किसी का तो खल है इसके पीछे यह साफ दिखाई दे रहा है। दो CMHO एक ही दिन में और विभाग यह तमाशा देखता क्यों रहा?

नेता और बड़े अफसर कहाँ हैं?

क्या मेडिकल डिपार्टमेंट में बैठे बड़े अफसर क्या सिर्फ़ तनख्वाह लेने के लिए हैं? क्या उनका काम सिर्फ़ आदेश बदलना है या कभी ज़मीन पर हो रही इस अव्यवस्था को भी देखकर हल करेंगे? फैसला लेने में एक सेकण्ड से ज्यादा का वक्त नहीं लगता मगर उनका इस मामले में पर्सनल इंटरेस्ट लगता है। वे कुर्सी की फाइट देख कर अपना ईगो सेटिस्फाई करना चाहते हैं, ऐसा साफ दिख रहा है।

उधर, नेताओं की चुप्पी भी चुभ रही है।

क्या उदयपुर की चिकित्सा व्यवस्था सिर्फ़ फाइलों और कुर्सियों का प्रयोगशाला बनकर रह गई है?

उदयपुर की छवि का नुकसान हो रहा है। पहले बड़गाँव, अब CMHO कार्यालय की खिल्ली बनी। बड़गाँव के चिकित्सक प्रकरण से विभाग की भारी किरकिरी हो गई। एक आदेश तक ढंग का नहीं निकाल सकते। पॉलिटिक्स के आगे नतमस्तक होने से काम नहीं चलेगा। अब तो जनता जवाब मांग रही है कि अस्पताल के बाहर पटाखे चलाने वालों पर क्या कार्रवाई की?? यदि सही था तो क्या सभी अस्पतालों के बाहर सूतली बम फोड़ने की छूट उदयपुर में मिल गई है??? CMHO कार्यालय को लेकर बार-बार हो रहे इस नाटक ने जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था को मज़ाक का पात्र बना दिया है। एक कुर्सी के लिए इतना हठ, इतनी राजनीति और इतना शक्ति प्रदर्शन—स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील विभाग में यह स्वीकार्य नहीं।

व्यक्ति का दृष्टिकोण सकारात्मक होना चाहिए : आचार्य महाश्रमण

5 दिसम्बर को दिवेर मे मंगल भावना समारोह में होगा दायित्व हस्तांतर



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 3 दिसम्बर। तेरापंथ धर्मसंघ के एकादशम अधिशास्ता आचार्य महाश्रमण अपनी धवल वाहिनी के साथ श्रद्धा, भक्ति, त्याग, शौर्य, और बलिदान की वीर वसुंधरा मेवाड़ में अहिंसा यात्रा के माध्यम से नशामुक्ति , नैतिकता और सद्भावना का संदेश देते हुए विभिन्न क्षेत्रों का विचरण करते हुए धर्म प्रभावना कर रहे है। आचार्य संघ की मेवाड़ यात्रा अब समापन की ओर है। श्री मेवाड़ जैन श्वेताम्बर तेरापंथी कांफ्रेंस के अध्यक्ष राजकुमार फत्तावत ने बताया कि आचार्य महाश्रमण 3 दिसम्बर को केलवा से विहार किया और पड़ासली पधारे। सांयकाल को वहां से पुनः विहार कर संबोधी होते हुए धानीन पधारे जहां रात्रि प्रवास हुआ। धानीन में ख्यालीलाल तातेड, मदनलाल तातेड सहित अनेक श्रावक श्राविकाये मौजूद रहे।

मंगल भावना समारोह और दायित्व हस्तांतरण कार्यक्रम 5 को

फत्तावत ने बताया कि आचार्य महाश्रमण की एक माह की मेवाड़ यात्रा का समापन आगामी 5 दिसम्बर को महाराणा प्रताप की विजय स्थली दिवेर में होने जा रहा है, जहां पर मंगल भावना समारोह और दायित्व हस्तांतरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। श्री मेवाड़ जैन श्वेताम्बर तेरापंथी कांफ्रेंस द्वारा दायित्व रूपी ध्वज आचार्य महाश्रमण मर्यादा महोत्सव समिति छोटी खाटू को हस्तांतरित किया जाएगा। मंगल भावना समारोह में विश्व हिंदू परिषद के अखिल भारतीय संयुक्त महासचिव स्वामी विज्ञानानंद, मेवाड़ राजघराने के डॉ लक्ष्यराज सिंह मेवाड़, भीम विधायक हरि सिंह रावत, सहाड़ा विधायक लादुलाल पितलिया अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। मेवाड़ के विभिन्न क्षेत्रों के श्रद्धालुओं ने मार्ग में अलग अलग स्थानों पर आचार्य महाश्रमण के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। मेवाड़ यात्रा के दौरान विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों और हस्तियों का आचार्य महाश्रमण के दर्शन हेतु आने का क्रम बना हुआ है।

बुधवार को आचार्य महाश्रमण ने विहार के बाद पड़ासली में उपस्थित श्रावक श्राविकाओं और जन समुदाय को अमृत देशना देते हुए फरमाया कि आगम में कहा गया है कि दुनिया में अलग अलग दृष्टिकोण और भूमिका वाले व्यक्ति होते है। कुछ व्यक्ति मिथ्या दृष्टिकोण वाले होते है। और कुछ व्यक्ति सम्यक दृष्टिकोण वाले होते हैं। दोनों दृष्टिकोण वाले व्यक्ति एक ही काम को अलग अलग तरीके से करते है। दोनों तरह के व्यक्तियों के काम करने में अंतर आ सकता है और उसके परिणाम में भी अंतर आता है। आचार्य भिक्षु का एक सिद्धांत है मिथ्यात्वी की करनी। मिथ्यात्व वाले व्यक्ति के कर्म अगर धर्म रूपी है तो भी वह मोक्षगामी नहीं बन सकता है। मोक्षगामी के लिए सम्यकत्वि होना आवश्यक है। धर्म की करणी शुद्ध भावो से की जाए तो उसका लाभ अवश्य मिलता है। आज के कार्यक्रम में तेरापंथी सभा पड़ासली के अनिल बडाला, तेरापंथ महिला मंडल अनीता बडाला, सभा के पूर्व अध्यक्ष गुणसागर धीग ने आचार्य महाश्रमण के पड़ासली पदार्पण पर अपने भावो की अभिव्यक्ति दी, वही महिला मंडल की बहिनों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। अंत में उपस्थित जन समुदाय को मंगल पाठ का श्रवण करवाया गया।

तुम साधनों में जीते है हम साधना में जीते है : आचार्य पुलक सागर



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 3 दिसम्बर। राष्ट्रसंत जैनाचार्य पुलक सागर महाराज के चातुर्मास निष्ठापन के साथ ही आचार्य जिन-जिन लाभार्थियों ने मंगल कलश का लाभ लिया उन के घर-घर जाकर उस कलश की स्थापना कर रहे हे। इसी के तहत बुधवार को अशोक नगर में चातुर्मास कलश के लाभार्थी कमला देवी, रंजना- जिनेश, अंजना-राजेश, निकिता -सिद्धार्थ, नेहल, कार्तिक व शांतनु टाया के घर आचार्य पुलक सागर महाराज की आहारचार्य एवं मंगल कलश की स्थापना की। पुलक मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद फान्दोत ने बताया कि आचार्य के मुखारविंद से मंत्रोच्चारण के पश्चात् मंगल कलश की स्थापना समस्त टाया परिवार द्वारा विधि विधान व पूजन क्रिया के साथ संपन्न की गई। उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को इस अवसर पर आचार्यश्री ने अपना मंगल आशीष प्रदान किया। परिवार के नये सदस्य आदिराज को अपने आचार्य पुलकसागर महाराज ने जैनत्व के संस्कार स्थापित किय। इस अवसर पर निर्मल सिंघवी, नानालाल रटोडिया, सुरेंद्र संगावत, गेदांलाल फांदोत, विमल संगावत, राकेश टीमरवा सहित समाजजन मौजूद रहे। अशोक नगर में टाया भवन में आयोजित धर्म सभा में आचार्य पुलक सागर महाराज ने कहां कि हमारे हिंदुस्तान में रोजाना त्यौहार होते है, हम अपने घर में ऐसे जीते है जैसे रोज त्यौहार हो । कभी कभी तो ऐसा हो जाता है कि सुबह सप्तमी होती है और शाम को अष्टमी हो जाया करती है, त्योहारों का यह हमारा भारत देश है, यह दुनिया में कही नहीं मिलेगा । अंग्रेजी कैलेंडर को देखो वहां सिर्फ साल बदला करता है, और मेरे हिंदी पंचांग को उठाकर देखो, उसमें हर दिन त्यौहार मिला करता है । त्योहारों में हमारे अंदर एक उमंग होती है, घर में एक अलग सा माहौल होता है, संबंधों में प्रगाढ़ता आती है । एक घटना ऐसी घटती है, एक होता है जगत और एक होता है भगत । जगत साधनों में जिया करता है और भगत साधना में जीता है । तुम साधनों में जीते है हम साधना में जीते है । एक बात याद रखना जब कोई भगत इस दुनिया में आता है तो उसे कई प्रताडनाओं का सामना करना पड़ता है । जब-जब सत्य की राह पर चलोगे दुनिया तुम्हारी विरोधी हो जाती है । जब हजार असत्य सामने खड़े हो तो एक सत्य को सूली पर लटका दिया जाता है । जब भी कोई प्रभावशाली शख्शियत इस धरती पर आई, तमाम मूर्ख उसके खिलाफ खड़े हो गए । मैं तो कहता हूं दो चार निंदक अपने साथ रखो, वो ही तुम्हे आगे बढ़ने का समय समय पर मौका देते रहेंगे।

10 दिवसीय ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम संपन्न,

202 प्रतिभागियों ने सीखे उच्च शिक्षा में AI के उभरते उपयोग



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर. राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड-टू-बी यूनिवर्सिटी) के संघटक माणिक्यलाल वर्मा श्रमजीवी महाविद्यालय प्रतापनगर और उड़ान एजुकेशनल सर्विसेज, गाजियाबाद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 10 दिवसीय ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम "इमर्जिंग ट्रेंड्स इन हायर एजुकेशन : हार्नेसिंग AI टूल्स फॉर टीचिंग एंड रिसर्च" का बुधवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस आवासीय कार्यक्रम में देशभर के 202 शिक्षकों व शोधार्थियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

विशेषज्ञों ने दिए उच्च शिक्षा में AI अपनाने के सूत्र

दस दिनों तक चले सत्रों में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त विशेषज्ञों— डॉ. गिरिजा रावत (NCERT, नई दिल्ली), डॉ. समीर शाह, डॉ. प्रिया शुक्ला, डॉ. रितेश मिश्रा, डॉ. आशीष कुमार अवधिया (IG-NOU), डॉ. प्रकाश पंचोली, प्रो. याचना मल्होत्रा, डॉ. एस.के. गुप्ता, डॉ. राखी गुप्ता (BHU), डॉ. अंविति रावत, डॉ. कंचन फुलमाली, प्रो. शिवानी मिश्रा, प्रो. अंकुर गोयल, डॉ. यामिनी नेगी और प्रो. विजेता बनवारी ने उच्च शिक्षा में डिजिटल परिवर्तन, अनुसंधान पद्धति, प्रकाशन नैतिकता, AI आधारित शोध, डाटा-ड्रिवन एजुकेशन, डिजिटल कंटेंट निर्माण, पर्सनलाइज्ड लर्निंग पाथवे जैसे विषयों पर व्याख्यान और प्रस्तुतीकरण दिए। अंतिम दिन प्रतिभागियों ने स्वयं AI टूल्स का प्रयोग करते हुए अपने PPT प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किए।

AI युग में शिक्षकों को निरंतर अद्यतन रहने की आवश्यकता—कुलपति

समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. शिव सिंह सारंगदेवोत ने कहा कि "आज शिक्षा, उद्योग, कृषि, रक्षा, अनुसंधान—कोई भी क्षेत्र AI से अछूता नहीं है। ऐसे में शिक्षकों के लिए आवश्यक है कि वे निरंतर स्वयं को अद्यतन रखें और शिक्षा में एआई आधारित नवाचारों का अधिकतम उपयोग करें।"

कार्यक्रम का संचालन एवं सहयोग

संयोजक एवं निदेशक डॉ. गुणबाला आमेटा ने पूरे कार्यक्रम की विस्तारपूर्वक रिपोर्ट प्रस्तुत की। उड़ान एजुकेशनल सर्विसेज की संस्थापक एवं निदेशक डॉ. अंजली राज ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। कार्यक्रम में मुख्य सहयोग एफडीपी समन्वयक डॉ. रेखा दरबार द्वारा प्रदान किया गया। संचालन सबरिन खान ने किया।

ज़िंक फ़ुटबॉल अकादमी का कमाल: 16 वर्षीय गोलकीपर राजरूप सरकार ने भारत को एएफसी U-17 एशियन कप 2026 के लिए क्वालीफाई कराया



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। हिंदुस्तान ज़िंक की पहल ज़िंक फ़ुटबॉल अकादमी के 16 वर्षीय गोलकीपर राजरूप सरकार ने भारत की अंडर-17 टीम को एएफसी U-17 एशियन कप 2026 के लिए क्वालीफाई कराने में अहम भूमिका निभाई है। अहमदाबाद में खेले गए निर्णायक मुकाबले में भारत ने ईरान को 2-1 से हराया, जिसमें राजरूप ने पूरे क्वालीफ़ायर में अपने बेहतरीन रिफ़्लेक्स, संयम और शानदार शॉट-स्टॉपिंग से टीम को मजबूत आधार दिया। राजरूप ने ईरान, लेबनान, फ़िलिस्तीन और चाइनीज़ ताइपे के खिलाफ सभी मैचों में शुरुआत की और दबाव भरे पलों में महत्वपूर्ण बचाव किए। ज़ावर स्थित ज़िंक फ़ुटबॉल अकादमी में प्रशिक्षण लेकर आगे बढ़े राजरूप का प्रदर्शन उन्हें देश के सबसे उभरते युवा गोलकीपरों में शामिल करता है। अकादमी 2018 से अब तक भारतीय फुटबॉल के लिए उत्कृष्ट प्रतिभाएं तैयार कर रही है। साहिल पूनिया, मोहम्मद कैफ और प्रेम हंसदक के बाद राजरूप सरकार इसका नया चमकता चेहरा हैं। वेदांता समूह की हिंदुस्तान ज़िंक चार दशकों से खेलों को बढ़ावा दे रही है और ज़ावर स्टेडियम से लेकर विभिन्न राष्ट्रीय टूर्नामेंटों के माध्यम से प्रतिभाओं को मंच प्रदान करती आई है। कंपनी की खेल और फिटनेस पहलों ने अब तक 30,000 से अधिक लोगों को लाभान्वित किया है।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।